सफलता की कहानी कृषक की जुबानी

नाम कृषक– एस0एस0रावत
गॉव– अम्बीवाला, पोस्ट– प्रेमनगर,
जिला– देहरादून

मैं एस0एस0रावत, ग्राम अम्बीवाला, प्रेमनगर, देहरादून पौडी जिले के दूरस्थ गांव सौंडा में निवास करता था। मैं गारमेंटस बिजनेस का कार्य नोयडा में करता था। गारमेंटस बिजनेस आर्थिक मंदी के चलते तकनीकी शिक्षा की यूनिट बनाने के लिये अपनी लडकी के पास देहरादून आ गये। इसी उद्यान केन्द्र के प्रभारी, श्री बी0एस0 बिष्ट तथा फ्लोरिकल्चर बिजनेस के बारे में जानकारी दी। मेरे द्वारा इनमें प्रेरणा प्राप्त कर उद्यान विभाग से हॉर्टिकल्चर टैक्नोलॉजी मिशन योजनान्तर्गत 1000 वर्गमीटर के पॉली हाउस का निर्माण कराया गया जिस पर मुझे रू0 3.25 लाख राज सहायता दी गयी तथा उत्पादन बहुत अच्छा रहा तथा मुझे प्रथम वर्ष ही लगभग रू0 5.00 लाख की आय प्राप्त हुई।

वर्तमान में मेरे द्वारा 1000 वर्ग मी0 के 5 पॉली हाउस और बनाये गये और मेरा पूरा परिवार ही फूलों की खेती कर रहा है। फूल उत्पादन से मुझे प्रति माह रू0 1.50 लाख की आय प्राप्त हो रही है। मुझे एक्सपोर्ट बिजनेस के मुकाबले फूलों की खेती से अधिक लाभ प्राप्त हुआ। मैं समझता हूँ कि फूलों से मेरा जीवन ही बदल गया है। इसके साथ ही मेरा प्रयास है कि देहरादून के फूलों को एक्सपोर्ट बिजनेस की मदद से विदेश तक पहूँचाऊ।

एस0एस0 रावत
ग्राम अम्बीवाला
पोस्ट प्रेमनगर, देहरादून